रेलवे स्टेशनों पर स्वतंत्रता सेनानियों के स्मृति-पटों का लगाया जाना

830. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर स्वतंत्रता सेनानियों के स्मृतिपट लगाने की योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) उन स्वतंत्रता सेनानियों के नाम क्या-क्या हैं जिनके स्मृति-पट लगाये जाने की योजना सरकार के विचाराधीन है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

Progress in construction of Kapadvanj-Modasa-Nadial railway line

831. SHRI VITHALBHAI M. PATEL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the progress made so far in the construction of Kapadvanj-Modasa-Nadial (Gujarat) new Railway line;

(b) the estimated cost expenditure incurred so far;

(c) the time schedule fixed for its completion;

(d) whether it is a fact that the land which was acquired to lay railway track is being returned to the original owners; and

(e) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K. C. LENKA): (a) to (c) Nadial-Kapadvanj-Modasa is a composite gauge conversion-cum-new line project. The estimated cost of the project is Rs. 30 crores. Gauge conversion of Nadial-kapadvanj narrow gauge section into broad gauge has been completed at an estimated cost of Rs. 18.37 crores. The completed section has already been commissioned in January, 1993. A sum of Rs. 7.40 crores has been incurred so far on the Kapadvanj-Modasa new line project. The work on the new line project would further be continued on availability of financial resources.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

रेल उपकरणों का आयात

832. **श्री अजीत जोगी :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनके मंत्रालय में कतिपय रेलवे उपकरणों का आयात किया है ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान जिन उपकरणों का आयात किया गया है, उनका ब्यौरा क्या है और इस आयात पर कुल कितनी धनराशि खर्च की गयी है; और

(ग) इन उपकरणों का अपने देश में निर्माण करने के लिए क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका) : (क) जी हां ।

(ख) ब्यौरा संलग्न अनुपत्र में दिया गया है **(देखिये परिशिष्ट 169, अनुपत्र सं० 18)**

(ग) ऐसी मदों के लिए विकासात्मक आदेश सक्षम विनिर्माताओं को दिये

हैं, जिनका फिलहाल देश में निर्माण नहीं किया जाता है ।

राजस्थान में नई रेल लाइन का बिछाया जाना

833. **श्री शिव चरण सिंह** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान में नयी रेल लाइन बिछायी जाएगी, यदि हां, तो कहां-कहां पर और कब तक; और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) राजस्थान की छोटी रेल लाइन को बड़ी रेल लाइन में कब तक बदला जाएगा अथवा इन लाइनों से होने वाले घाटे की पूर्ति कैसे की जाएगी या क्या इन लाइनों को बन्द किया जायगा ;

(ग) क्या यह सच है कि उत्तर भारत में रेलवे के आधुनिकीकरण तथा विस्तार पर कम धनराशि व्यय की जा रही है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका) : (क) जी हां, मथुरा से अलवर तक एक नई रेलव लाइन निर्माणाधीन है और आशा है कि इसे जनवरी, 1994 तक पूरा कर दिया जाएगा ।

(ख) राजस्थान में किसी भी छोटी लाइन को बदलने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है, बहरहाल, राजस्थान में बड़े पैमाने पर मीटर लाइनों को बड़ी लाइनों में बदला जा रहा है, अभी तक 1992–93 और 1993–94 में लालगढ़-कोलायत लालगढ़-मेड़ता रोड़, जयपुर-फुलेरा-डेगाना को बड़ी लाइन में बदल दिया गया है । रेवाड़ी-बांदी कुई-जयपुर-फुलेरा-मारवाड़ अहमदाबाद, डेगाना-मेड़ता रोड़-जोधपुर, जोधपुर-जैसलमेर खंडों पर आमान परिवर्तन का काम चल रहा है और यह काम आठवीं पंचवर्षीय योजना में पूरा हो जाएगा । इसके अलावा, जोधपुर-मारवाड़ और लूनी-मुनाबाव के आमान परिवर्तन का काम भी अनुमोदित है और इसे आने वाले वर्षों में शुरू किया जाएगा, शेष मीटर लाइनों, जिन पर हल्का यातायात होता है, को नई रेल बसों द्वारा सेवित किया जाएगा जिन्हें इस समय विकसित किया जा रहा है

(ग) जी, नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

बुक किये गये माल की चोरी की घटनाओं में वृद्धि

834. **श्री अजीत जोगी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बुक किये गये माल और रेलवे सम्पत्ति की चोरी की घटनाओं में वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और पिछले तीन वर्षों के दौरान जोन-वार कितने मूल्य के माल की चोरी हुई है ;

(ग) उक्त अवधि के दौरान कितने प्रतिशत माल तथा रेलवे सम्पत्ति बरामद की गई ;

(घ) इसके लिए कितने व्यक्ति जिम्मेदार ठहराये गये हैं और कितने व्यक्तियों को पकड़ा गया है ; और

(ङ) क्या सरकार ने ऐसी चोरी को रोकने और चोरी के ऐसे माल को बरामद करने के मामले में सुधार लाने के लिए कोई नए तरीके अपनाये हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेंका) :(क) जी नहीं, विगत दो वित्तीय वर्षों की तुलना में वित्तीय । वर्ष 1992–93 के दौरान बुक किए गए परेषणों की चोरियों से संबंधित मामलों की संख्या में काफी गिरावट आई है । परन्तु विगत दो वित्तीय वर्षों की तुलना में वित्तीय वर्ष